

कांगड़ा केसरी

बुधवार WEDNESDAY

# मैक्लोडगंज में स्मार्ट सिटी पर मंथन

बुद्धिजीवी वर्ग ने विशेषज्ञों के समक्ष रखे सुझाव, वाइड स्क्रीन पर डाक्यूमेंटरी फिल्म के माध्यम से लोगों को म्यूनिसिपल ठोस कचरा प्रबंधन के बारे में जानकारी दी

मैक्लोडगंज, 15 सितम्बर (नवजीवन): स्वच्छ भारत मिशन के तहत लोगों को सूचना, शिक्षा व संचार के माध्यम से जागरूक करने के लिए मैक्लोडगंज में एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। पर्यटन निगम के क्लब हाऊस में आयोजित इस शिविर के चलते धर्मशाला को कैसे स्मार्ट सिटी बनाया जाए इसके लिए मैक्लोडगंज से शिविर में एकजुट हुए बुद्धिजीवी वर्ग ने अपने सुझाव विशेषज्ञों के समक्ष रखे। शिविर की अध्यक्षता अर्बन डिवैलपमेंट के आई.ए.एस. डायरेक्टर कैप्टन जे.एम. पठानिया ने की। उन्होंने सभागार में चल रहे इस शिविर के दौरान वाइड स्क्रीन पर डाक्यूमेंटरी फिल्म के माध्यम से लोगों को म्यूनिसिपल ठोस

कचरा प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आमतौर पर जितने भी सोलिड बेस्ड हैं, उनको रिसाइकिल करके दोबारा कैसे इस्तेमाल में लाया जाए बारे में जानकारी भी लोगों को दी। उन्होंने कहा कि घर, शौचालय, सीवरेज, हेल्थ, शिक्षा, बिजली, पानी,

ई-गवर्नेंस, गुड गवर्नेंस व शहर की सड़कों की व्यवस्था, स्मार्ट पार्किंग व स्मार्ट बिलिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं होने पर धर्मशाला शहर एक स्मार्ट सिटी के तौर पर उभर सकता है। उन्होंने बताया कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी का आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिए

15 दिसम्बर से पहले विशेषज्ञों को अपनी प्रोपोजल दिल्ली भेजनी है। इस रूपरेखा के आधार पर भारत सरकार प्रत्येक वर्ष 100 शहरों में से 20 शहर स्मार्ट सिटी के लिए चुनेगी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट शहर बनाने के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान है, जिसमें

हर साल स्मार्ट सिटी के लिए 100 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रोसेसिंग कंपनी एक्ट 2013 के तहत एक स्पेशल पर्पस व्हीकल के तहत एक कमेटी बनेगी, जिसमें विभागीय हैड के तौर पर एक सी.ई.ओ. की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि धर्मशाला को स्मार्ट शहर बनाने के लिए सरकार को शहर के आम जनमानस का सहयोग व उनकी सलाह भी स्मार्ट सिटी के लिए कारगर रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान के लिए स्मार्ट सिटी प्रोपोजल एक अहम जिम्मेदारी है। मैक्लोडगंज में आयोजित हुए इस शिविर में विशेषज्ञों ने स्मार्ट सिटी के बारे में सभागार में मौजूद करीब 200 लोगों को जानकारी दी।

## स्मार्ट सिटी में किस्तों में शामिल न हों पंचायतें

धर्मशाला (नवीन): स्मार्ट सिटी धर्मशाला को बनाने के लिए किस्तों में पंचायतों को शामिल न किया जाए। यह शब्द महावीर क्रांति दल धर्मशाला मंडलीय अध्यक्ष अजय शर्मा तथा प्रांतीय उपाध्यक्ष आर.एस. कटोच ने अपने संयुक्त बयान में कहे। उन्होंने कहा कि जिन पंचायतों को स्मार्ट सिटी के तहत लाया जा रहा है उनका अभी तक समूचा विकास नहीं हो पाया है। पहले इन पंचायतों का विकास हो या एक साथ सभी पंचायतों को स्मार्ट सिटी में शामिल करें। किस्तों में पंचायतों को इसके तहत लाने से लोगों में तरह-तरह की भ्रांतियां फैल रही हैं, वहीं इनकी आवाज को भी दबाया जा रहा है। पिछड़ी पंचायतों को स्मार्ट सिटी के तहत लाने से वे टैक्स के बोझ तले दब जाएंगी।



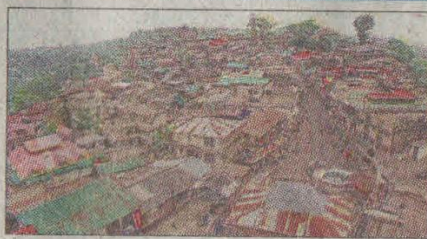
# मैक्लोडगंज से शुरू होगा स्मार्ट सिटी पर मंथन

संवाद सहयोगी, धर्मशाला : स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित धर्मशाला को विकसित करने के लिए शहरी विकास विभाग मैक्लोडगंज से 15 सितंबर को मंथन शुरू करेगा। मैक्लोडगंज में होने वाली बैठक क्लब हाउस में सुबह दस बजे शुरू होगी। इसके अलावा 16 सितंबर को कोतवाली बाजार जबकि 17 को सिविल लाइन धर्मशाला में भी बैठक होगी। बैठकों की अध्यक्षता शहरी विकास विभाग के निदेशक जेएम पठानिया करेंगे।

इस दौरान काउंसलरों के अलावा दिल्ली से आए सदस्य भी मौजूद रहेंगे, जो इस बात पर चर्चा करेंगे कि धर्मशाला को स्मार्ट सिटी के रूप में किस तरह से विकसित किया जाना है। 15 सितंबर को होने वाली बैठक में स्मार्ट सिटी के अलावा शहरी विकास विभाग की सुंदरनगर व धर्मशाला कलस्टर के शहरों में भूमिगत कूड़ा-कंकट ठिकाने लगाने की योजना पर

## जानकारी

- ♦ शहरी विकास विभाग के निदेशक काउंसलरों की आज लेंगे बैठक
- ♦ कोतवाली बाजार व सिविल लाइन में भी होंगी बैठकें



भी चर्चा की जाएगी। जेएम पठानिया के अनुसार स्मार्ट सिटी योजना पर 15 सितंबर को मैक्लोडगंज से मंथन शुरू होगा और कोतवाली बाजार व सिविल लाइन में भी इसके लिए बैठकें होंगी।

# Smart city: Hill town begins community consultation

S Gopal Puri | TNN

**Dharamshala:** The local urban development body has started working on turning the town into a smart city. Target has been fixed to compete for place in the top 20 cities list of the country and get funds in the first round itself. A table exercise was done here for the purpose on Monday and community consultation will go on for next three days.

Workshop comprising of elected members of municipal committee, government officials, bodies assisting the central government and director for urban development considered the concepts of smart governance and consultation with community.

Urban development director Capt J M Pathania said that they would be meeting the opinion makers of the town for next three days and the government officials would also be trained in the concept. "We have called about 150 people from the town for a meeting on smart city and initiatives to be taken for waste disposable system, parking, street lights and public toilets were discussed," he said.

A discussion forum has also been started on the website of the departments to invite the suggestions. Development of the town through mode of public private partnership (PPP) was also discussed among the participants of the meet.

Smart city would include cluster management as well. Under which two clusters have been formed of Sundernagar and Dharamshala to include nearby towns. The various projects of drinking water and waste management would be prepared considering these areas as one unit.

In addition, concept of underground dustbins was also discussed. Sources told that the present system of solid



BRAIN STORMING SESSION

waste management of the town would be replaced with new one. No treatment or segregation was being done at present which was taking toll on fragile environment.

Authorities were also of the view that more area should be included in the municipal limits for the smart city projects considering the fact that 500 crore would be invested under this project.

In next three days, local urban bodies would interact with the people in McLeodganj, Civil Bazar and Kotwali area of the town. The town had scored 87.5 marks out of hundred edging out Shimla which scored around 85. The state government had asked reports from all 53 urban local bodies of which this hill town was selected for smart city project.



# पहली 20 स्मार्ट सिटी में शामिल होने को ताकत झोंकेंगे

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : देश की 100 प्रस्तावित स्मार्ट सिटी में शामिल धर्मशाला के लिए अब प्रथम 20 स्मार्ट सिटी में जगह बनाने के लिए विभाग को ताकत झोंकनी होगी। पहली 20 स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट को इसी वर्ष मंजूरी मिलेगी। इसमें धर्मशाला को शामिल करने के लिए मजबूत प्रस्ताव तैयार करना होगा व इस बाबत ढाई माह तक शहरी विकास विभाग को ताकत झोंकनी होगी।



प्रथम 20 स्मार्ट सिटी के लिए प्रोजेक्ट 15 दिसंबर तक केंद्र में उपलब्ध हो जाने चाहिए। धर्मशाला स्मार्ट सिटी को इसमें शामिल करने के लिए और लोगों को जागरूक करने बाबत

- ◆ स्मार्ट सिटी के लिए 58 प्रश्न हैं जिनके जवाब देने होंगे
- ◆ मैक्लोडगंज में जनप्रतिनिधियों व शहरवासियों से हुई चर्चा

कार्यशाला व सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी के लिए 58 प्रश्न हैं जिनके जवाब प्रस्ताव के रूप में प्रेषित करने होंगे। बेहतरीन प्रस्ताव को ही केंद्र की प्रथम बीस स्मार्ट सिटी में जगह मिलेगी। यह जानकारी मैक्लोडगंज में आयोजित जागरूकता कार्यशाला में शहरी विकास विभाग के निदेशक कैप्टन जेएम पठानिया ने दी। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में शहरवासियों व जनप्रतिनिधियों को इस बारे में जागरूक किया जा रहा है। आने वाले समय में शहरी विकास मंत्री अधिकारियों से बैठक करेंगे। बेहतरीन प्रोजेक्ट तैयार करने



मैक्लोडगंज के क्लब हाउस में स्मार्ट सिटी को लेकर आयोजित मंथन कार्यशाला में अपनी बात रखते जनता प्रतिनिधि।

के लिए केंद्र ने अलग-अलग 11 कंपनियों को कंसल्टेंट के रूप में स्वीकृति दी है। स्मार्ट सिटी के लिए चार तरह की प्लानिंग है। इसमें नंबर एक में पांच सौ एकड़ व पहाड़ी क्षेत्र में 250 एकड़ क्षेत्र को नए सिरे से विकसित करना है। नंबर दो पर री-डेवलपमेंट के तहत पूरे पुराने शहर के भवनों को हटाकर नए सिरे से निर्माण करना, तीसरा ग्रीन फील्ड में सिटी निर्माण तथा

पेन सिटी के तौर पर पूरे शहर व आसपास के लिए चल रही योजनाओं को बेहतर बनाना शामिल है। इन चार में से कोई भी योजना को चुना जा सकता है। स्मार्ट सिटी में वर्ष 2019-20 तक पांच साल में 1000 करोड़ रुपये मिलेंगे। इस दौरान विभिन्न सुविधाओं व सेवाओं को लेकर पब्लिक प्राइवेट निवेश को आमंत्रित किया जाएगा।